स्वचालित कारों को अपनाना

मेन्स के लिये:

स्वचालित कारों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधाएँ

चर्चा में क्यों?

जानलेवा टेस्ला कारों द्वारा दुर्घटनाओं से उत्पन्न मुकदमों की एक शृंखला और एक आपराधिक मामले में,**टेस्ला (Tesla) को वर्ष 2015 में ऑटोपायलट लॉन्च करने के बाद से सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।**

स्वचालित कारों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधाएँ:

- **पूर्वनिर्धारित निर्णय शक्ति:**
  - **स्वचालित कारें मूल रूप से रोबोट हैं** जिन्हें एल्गोरिदम का उपयोग करके प्रोग्राम किया गया है, इसलिये इसकी अधिक संभावना होती है कि वे सभी मामलों में निर्धारित नियमों या पैटर्न का पालन करें।
- **ड्राइवर को नियंत्रण सौंपना:**
  - स्वचालित कारों की सबसे बड़ी दुविधाओं में से एक यह है कि क्या अंतिम क्षण में ड्राइवर को नियंत्रण सौंपना सही होगा।
  - यह न केवल स्वचालित कारों की नैतिकता के बारे में बल्कि ड्राइवर की नैतिकता के बारे में भी सवाल उठाएगा।
- **सेल्फ-ड्राइविंग कारों की नैतिकता के सही निर्णयकर्त्ता:**
  - कुछ के अनुसार, इस बात पर बहस चल रही है कि सेल्फ-ड्राइविंग कारों की नैतिकता किसे तय करनी चाहिये।
  - यह तर्क दिया जा सकता है कि **सेल्फ-ड्राइविंग मामलों की नैतिकता तय करने के लिये कोई भी सही मालिक नहीं है।** निर्णय कार के चालक के हाथ में होना चाहिये।
- **निष्पक्ष निर्णय लेने के लिये कार को प्रोग्राम करना:**
  - कुछ का यह भी तर्क है कि सेल्फ-ड्राइविंग कार का सबसे **अच्छा तरीका दुर्घटनाओं के मामले में निष्पक्ष निर्णय लेना है।**
  - उन्हें उम्र, लिंग या अन्य मापदंडों के आधार पर मनुष्यों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिये।**उन्हें हमेशा ऐसा निर्णय लेना चाहिये जिससे कम-से-कम प्रभाव पड़े।**
- **हैकिंग की दुविधा:**
  - संवेदनशील डेटा तक पहुँच हासिल करने या किसी दुष्कर्म को अंजाम देने के लिये कार के सिस्टम में**साइबर-क्रिमिनल हैकिंग का खतरा हमेशा बना रहता है।**
  - उदाहरण के लिये क्या होगा **यदि स्वायत्त कार को साइबर अपराधी द्वारा हैक किया जाता है और चालक को दोषी ठहराने के लिये दुर्घटना को अंजाम** दिया जाता है?

स्वायत्त/स्वचालित कार:

- **विषय:**
  - एक स्वायत्त कार एक ऐसा वाहन है जो **मानव भागीदारी के बिना अपने आसपास को समझने और संचालन करने में सक्षम है।**
  - **इसमें मानव यात्री को किसी भी समय वाहन को नियंत्रित करने की आवश्यकता नहीं होती है,** न ही मानव यात्री को वाहन में उपस्थिति होने की आवश्यकता होती है।
  - एक स्वायत्त कार कहीं भी जा सकती है जैसे कि एक पारंपरिक कार जाती है और वह कोई भी कार्य कर सकती है जो एक कुशल मानव चालक कर सकता है।
- **लाभ:**
  - ट्रैफिक जाम में कमी
  - परिवहन लागत में 40% की कटौती
  - पैदल चलने में सुधार
  - अन्य उपयोगों के लिये पार्किंग स्थल की उपलब्धता
  - दुनिया भर में शहरी CO_2 उत्सर्जन को 80% तक कमी

आगे की राह

- जैसे-जैसे सेल्फ-ड्राइविंग कारों को अपनाने के कारण इस विषय पर बहस तेज़ हो रही है,**यह आशा की जा रही है कि सख्त कानून और विनियम बनाए जाएंगे जो** अंततः सही, न्यायसंगत तरीके से सवालों का जवाब दे सकेंगे।

[स्रोत: द हिंदू]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/adoption-of-self-driving-cars